

॥ सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

स्कन्दाय नमः

गुहाय नमः

षण्मुखाय नमः

फालनेत्रसुताय नमः

प्रभवे नमः

पिङ्गलाय नमः

कृत्तिकासूनवे नमः

शिखिवाहाय नमः

द्विषङ्गजाय नमः

द्विषण्णेत्राय नमः

१०

शक्तिधराय नमः

पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः

तारकासुरसंहारिणे नमः

रक्षोबलविमर्दनाय नमः

मत्ताय नमः

प्रमत्ताय नमः

उन्मत्ताय नमः

सुरसैन्यसुरक्षकाय नमः

देवसेनापतये नमः

प्राज्ञाय नमः

२०

कृपालवे नमः

भक्तवत्सलाय नमः

उमासुताय नमः

शक्तिधराय नमः

कुमाराय नमः

क्रौञ्चदारणाय नमः

सेनानिने नमः

अग्निजन्मने नमः

विशाखाय नमः

शङ्करात्मजाय नमः

३०

शिवस्वामिने नमः

गणस्वामिने नमः

सर्वस्वामिने नमः

सनातनाय नमः

अनन्तमूर्तये नमः

अक्षोभ्याय नमः

पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः

गङ्गासुताय नमः

शरोद्भूताय नमः

आहूताय नमः

४०

पावकात्मजाय नमः

जृम्भाय नमः

प्रजृम्भाय नमः

उज्जृम्भाय नमः

कमलासनसंस्तुताय नमः

एकवर्णाय नमः

द्विवर्णाय नमः

त्रिवर्णाय नमः

| | | | |
|------------------|----|-------------------------|-----|
| सुमनोहराय नमः | | परमेष्ठिने नमः | |
| चतुर्वर्णाय नमः | ५० | परब्रह्मणे नमः | |
| पञ्चवर्णाय नमः | | वेदगर्भाय नमः | |
| प्रजापतये नमः | | विराड्भुताय नमः | |
| अहस्पतये नमः | | पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः | |
| अग्निगर्भाय नमः | | महासारस्वतावृताय नमः | ८० |
| शमीगर्भाय नमः | | आश्रिताखिलदात्रे नमः | |
| विश्वरेतसे नमः | | चोरघ्नाय नमः | |
| सुरारिघ्ने नमः | | रोगनाशनाय नमः | |
| हरिद्वर्णाय नमः | | अनन्तमूर्तये नमः | |
| शुभकराय नमः | | आनन्दाय नमः | |
| वटवे नमः | ६० | शिखण्डिने नमः | |
| पटुवेषभृते नमः | | कृतकेतनाय नमः | |
| पूष्णे नमः | | डम्भाय नमः | |
| गभस्तये नमः | | परमडम्भाय नमः | |
| गहनाय नमः | | महाडम्भाय नमः | ९० |
| चन्द्रवर्णाय नमः | | वृषाकपये नमः | |
| कलाधराय नमः | | कारणोत्पत्ति-देहाय नमः | |
| मायाधराय नमः | | कारणातीत-विग्रहाय नमः | |
| महामायिने नमः | | अनीश्वराय नमः | |
| कैवल्याय नमः | | अमृताय नमः | |
| शङ्करात्मजाय नमः | ७० | प्राणाय नमः | |
| विश्वयोनये नमः | | प्राणायामपरायणाय नमः | |
| अमेयात्मने नमः | | विरुद्धहन्त्रे नमः | |
| तेजोयोनये नमः | | वीरघ्नाय नमः | |
| अनामयाय नमः | | रक्तश्यामगलाय नमः | १०० |

सुब्रह्मण्याय नमः

गुहाय नमः

प्रीताय नमः

ब्रह्मण्याय नमः

ब्राह्मणप्रियाय नमः

वंशवृद्धिकराय नमः

वेदवेद्याय नमः

अक्षयफलप्रदाय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥